[94] No. of printed pages: 02

SARDAR PATEL UNIVERSITY
B A (III Semester) Examination
2013
Tuesday, 19th November
2.30 pm - 5.30 pm
UA03IALH03 - Analytical Literature Hindi (Inter Disciplinary) : Paper - III
समीक्षात्मक हिन्दी साहित्य भाग -१

कुल गुण : ७०

सूचना : हिन्दी भाषा में शिरोरेखा बाँधना अनिवार्य है ।

प्र.१ निम्मलिखित में से **किन्हीं तीन** पर सप्रसंग व्याख्या कीजिए । (१५)

(क) ''तुम बहुत फिजूलखर्च होती जा रही हो । जरा हाथ दबाकर खर्च किया करो ! नीरु की शादी भी तो करनी है ।''

(ख) ''आप चुप है, इसलिए लग रहा है कि मुझसे बड़ा दोष बन पड़ा है । मैं स्वयं अनुभव कर रहा हूँ कि मेरा आना आपको अच्छा नहीं लगा ।''

(ग) पिताजी को पेंशन मिलती ही कितनी है ? उसमें तो दो वक्त दाल-रोटी भी न चले । मैं भी अगर न करुँ तो किसके आगे हाथ फैलाएँगे ? लड़को को पढ़ाना है ही सड़क पर तो आवारा घूमने नही दिया जाएगा ।

(घ) और हाथ उनका इतना हल्का कैसे हो गया था ? कहाँ चला गया सारा वजन ? वह भार शायद जीवन का होता है, जिसे पृथ्वी अपने चुंबक से अपनी ओर खींचा करती है ।

(च) ''मैं हजार बार तुमसे कह चुकी हूँ कि उसे लेकर मुझसे मजाक मत किया करो ! मुझे इस तरह का मजाक जरा भी पसंद नहीं है ।''

प्र.२ चरित्र-चित्रण कला की दृष्टि से 'पचपन खंभे लाल दिवारें' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए । (२०)

अथवा

प्र.२ टिप्पणी लिखिए ।

(क) 'पचपन खंभे लाल दिवारें' उपन्यास की भाषा-शैली ।

(ख) 'पचपन खंभे लाल दिवारें' उपन्यास का शीर्षक ।

प्र.३ कहानी के तत्त्वों की समीक्षा कीजिए । (२०)

अथवा

प्र.३ टिप्पणी लिखिए ।
(क) 'महुए का पेड़' कहानी का उद्देश्य ।
(ख) 'यही सच है' कहानी का शीर्षक ।

प्र.४ 'ठेस' कहानी की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए । (१५)

अथवा

प्र.४ टिप्पणी लिखिए ।
(क) 'पचपन खंभे लाल दिवारें' उपन्यास का वातावरण ।
(ख) 'पचपन खंभे लाल दिवारें' उपन्यास का संदेश ।

☺☺☺☺☺